



Important Notes and Short Questions for Electrician trade

- परिणामित्र ए. सी. सप्लाई पर कार्य करता है।
- परिणामित्र फैंराडे के विद्युत चुम्बकीय प्रेरण के सिद्धान्त पर कार्य करता है।
- यदि परिणामित्र में डी. सी. आपूर्ति कनेक्ट की जाए तो कुण्डलन जल जायेगी।
- परिणामित्र की दक्षता 95 से 98 तक होती है।
- परिणामित्र की रेटिंग क्षमता केवीए में व्यक्त की जाती है।
- परिणामित्र में दो प्रकार की कुण्डलन 1 प्राइमरी 2 सैकण्डरी होती है।
- परिणामित्र की कोर सिलिकॉन इस्पात का बना होता है।
- परिणामित्र की प्राथमिक कुण्डली सप्लाई आपूर्ति से जुडी होती है।
- परिणामित्र की प्रथम वाइण्डिंग कॉपर धातु की बनी होती है तथा सैकण्डरी भी।
- परिणामित्र की द्वितीयक कुण्डली भार के साथ कनेक्ट रहती है।
- कुण्डलन में पैदा होने वाले उष्मा के कारण तेल का तापमान 20 से 95 डीग्री सेण्टीग्रेड होता है।
- परिणामित्र मुख्यतः तीन प्रकार के होते है। 1 पावर 2 इंडस्ट्रियल 3 औटो परिणामित्र ?
- पावर परिणामित्र दो प्रकार के होते है। 1 सिंगल फेज 2 थ्री फेज
- कार्य के आधार पर 1फेज परिणामित्र तथा 3फेज दो प्रकार के होते है।
- सिंगल फेज परिणामित्र में फेज की संख्या एक होती है।
- 1फेज परिणामित्र अधिकतम 250 वी. तक कार्य करते है।
- सिंगल कली परिणामित्र दो प्रकार के होते है। 1 क्रोड टाइप 2. सैल टाइप
- सिंगल फेज परिणामित्र का उपयोग स्टेबलाइजर रेडियो इनवर्टर आदि में
- 3फेज परिणामित्र में फेज की संख्या 3 होती है।
- परिणामित्र का कार्य विद्युत ऊर्जा का समान अधिक या कम वोल्टता पर रूपान्तरण करना।
- परिणामित्र कोर सिलिकॉन से बनायी जाती है
- परिणामित्र की प्राथमिक तथा सैकण्डरी कुण्डलन चुम्बकीय रूप से जुडी होती है।
- परिणामित्र एक इण्डक्शन के सिद्धान्त पर कार्य करने वाली स्थैतिक युक्ति है।
- उच्चायक परिणामित्र अपचायक परिणामित्र की भाँति प्रयोग किया जा सकता है।
- परिणामित्र कोर को लेमिनेट करने का उद्देश्य आयरन लॉस को कम करना।
- परिणामित्र के सैकण्डरी कुण्डलन से प्राप्त वोल्टेज की आवृत्ति मूल आवृत्ति की बराबर रहती है।
- एक परिणामित्र में सैकण्डरी करन्ट शून्य का अर्थ परिणामित्र पर कोई लोड नहीं है।
- परिणामित्र में कॉपर लॉस वाइण्डिंग में होता है।
- पावर परिणामित्र में लो वोल्टेज वाइण्डिंग कोर के पास में होती है
- परिणामित्र का ट्रांसफॉर्मेशन रेशो होता है।
$$E_2/E_1 = N_2/N_1 = K = \text{स्थिरांक}$$
- एक स्टेपअप परिणामित्र की प्राइमरी वोल्टेज 200 तथा सैकण्डरी करन्ट 2 है। यदि ट्रांसफॉर्मेशन रेशो 1: 5 हो तब सैकण्डरी वोल्टेज हागा।
हल - ट्रांसफॉर्मेशन रेशो $E_2/E_1 = N_2/N_1 = K$



Important Notes and Short Questions for Electrician trade

दिया है ट्रांसफॉर्मेशन रेशो 1 : 5 तब स्टेप अप ट्रांसफॉर्मर में सैकण्डरी वाइडिंग में फेरो की संख्या ज्यादा होगी।

$$E_2/E_1 = N_2/N_1 = K \quad E_2/200 = 5/1 \quad E_2 = 1000 \text{ volt.}$$

32. किसी परिणामित्र में परिणामित्र ऑयल का कार्य— इन्सुलेशन और कूलिंग देना।

33. परिणामित्र में टेपिंग सामान्यतः हाई वोल्टेज साइड पर लगायी जाती है।

34. शून्य लोड पर परिणामित्र में लौहे हानिया होती है

35. परिणामित्र में श्वसक का कार्य— वायु की नमी कम करना।

36. परिणामित्र में प्रयुक्त तेल खनिज तेल होता है।

37. परिणामित्र की kVA क्षमता बढ़ाने पर परिणामित्र का आकार बढ़ता है।

38. परिणामित्र में प्राथमिक व सैकण्डरी कुण्डलन के मध्य प्रतिरोध अनन्त होता है

39. प्राकृतिक वायु कुलित परिणामित्र की अधिकतम क्षमता 1.5 एम वी ए होती है।

40. परिणामित्र में संरक्षक टैंक (कंजरवेटर) का कार्य — तेल के प्रसार व संकुचन को समायोजित करना।

41. उच्च क्षमता वाले परिणामित्र किस स्थान पर प्रयोग किये जाते है।—प्रत्यावर्तक

42. वितरण परिणामित्र में उच्चतम दक्षता अर्ध पूर्ण भार पर होती हैं

43. वोल्टता नियमन की भाँति प्रयोग में आना वाला परिणामित्र — ऑटो ट्रांसफॉर्मर।

44. पावर परिणामित्र की दक्षता — 95 से 98 तक।

45. वैद्युतिक ऊर्जा को एक परिपथ से दुसरे परिपथ में बिना संयोजन स्थानान्तरित करने वाली युक्ति परिणामित्र कहलाता है।

46. परिणामित्र सह प्रेरण के सिद्धान्त पर कार्य करता है

47. परिणामित्र की प्राथमिक तथा द्वितीयक वाइडिंग में सदैव एक उभयनिष्ठ चुम्बकीय क्षेत्र होता है

48. किस परिणामित्र का उपयोग विद्युत उत्पादन केन्द्रों पर आल्टरनेटर द्वारा उत्पन्न किये गए वोल्टेज को उच्च वोल्टेज पर पारेषण करने हेतु उच्चायक परिणामित्र उपयोग।

49. परिणामित्र में भँवर धारा क्षति को कम करने के लिए लौह कोर लैमिनेट कर दिया जाता है।

50. किस शीतलन विधि का उपयोग 500 KVA से अधिक क्षमता वाले परिणामित्र में किया जाता है। यह कथन परिणामित्र की किस शीतलन विधि के सन्दर्भ में है— ऑयल ब्लैस्ट

51. केवल एक कुण्डलन वाला परिणामित्र ऑटो परिणामित्र कहलाता है।

52. विभव परिणामित्र एक वोल्टेज अपचायक परिणामित्र है। इसकी आउटपुट शक्ति कम तथा इसका आकार बहुत छोटा होता है।

53. 1500 KVA से कम क्षमता वाले परिणामित्र एल टी परिणामित्र कहलाता है।

54. एकल फेज परिणामित्र में प्राथमिक व प्रेरित सैकण्डरी वोल्टता एक दूसरे से 180° पर होती है।

55. परिणामित्र का वि. वा. ब. समीकरण— $E = 4.44 \Phi_m f \cdot N$ है।

56. किसी परिणामित्र की प्रत्येक कुण्डलन में उत्पन्न होने वाला इएमएफ निम्न में से किस कारक पर निर्भर करता है।

1 परिणामित्र कोर में उत्पन्न अधिकतम फ्लक्स 2. सप्लार्ड आवृत्ति 3. टर्न की संख्या

57. परिणामित्र की हानियाँ कितने प्रकार की होता है। 1 दो 1 लौह 2 कॉपर

58. परिणामित्र का साइज आवृत्ति पर निर्भर करता है।

59. परिणामित्र के ब्रीदर में प्रयुक्त रासायनिक पदार्थ सिलिका जैल भरा होता है।



Important Notes and Short Questions for Electrician trade

60. परिणामित्र आवृत्ति व पावर को चेन्ज नहीं करता है।
61. परिणामित्र की प्राथमिक व द्वितीयक वोल्टा के मध्य कलान्तर 180° होता है
62. परिणामित्र का सबसे अधिक गर्म होने वाला भाग कुण्डलियों होता है
63. उच्च आवृत्ति परिणामित्र में क्रोड का पदार्थ फ़ैराइट होता है।
64. शुष्क सिलिका जैल का रंग – सफ़ेद ।
65. नमी युक्त सिलिका जैल का रंग– नीला/गुलाबी
66. परिणामित्र में घर्षण क्षति (मशीनी क्षति) शून्य होती है।
67. सी. टी. परिणामित्र में प्राइमरी कुण्डलन में फ़ेरों की संख्या 1 से 5 होती है।
68. किस प्रकार की परिणामित्र में प्राथमिक कुण्डलन का एक भाग द्वितीयक कुण्डलन के समान हाती है– ऑटो परिणामित्र।
69. सी.टी. परिणामित्र लाइन के श्रेणी में संयोजित रहता है।
70. परिणामित्र हेतु एक अच्छी विद्युत्तरोधी तेल का न्यूनतम प्लेस बिन्दू 14 डिग्री सेण्टीग्रेड होना चाहिए।
71. परिणामित्र में श्वसक का कार्य– नमी कम करना।
72. परिणामित्र रूपान्तरित करता है।– आई वी
73. परिणामित्र की लौह क्षति किससे मापी जाती है। निम्न पावर फ़ैक्टर मीटर से।
74. यदि किसी परिणामित्र की सैकण्डरी लपेटों को दो गुना कर दिया जाए और साथ ही प्राथमिक वोल्टता को आधा कर दिया जाता है तो सैकण्डरी वोल्टता पूर्ववत् रहती है।(पहले जितनी
75. आदर्श परिणामित्र में ओमिक प्रतिरोध व चुम्बकीय लीकेज नहीं होता है।
76. अपचायक परिणामित्र में सैकण्डरी क्वॉयल में प्राइमरी क्वॉयल की अपेक्षा कम लपेट हो।
77. परिणामित्र की अतितापन का कारण अत्यधिक भार होता है
78. परिणामित्र कि सैकण्डरी क्वॉयल में प्रेरित इएमएफ लपेटों की संख्या पर निर्भर करती है।
79. ब्कोल्ज रिलें का प्रयोग तेल शीतलीत परिणामित्रमें किया जाता है।
80. शुष्क सीलिका जैल का रंग सफ़ेद या हल्का गुलाबी ।
81. नमीयुक्त सिलिका जैल का रंग नीला होता है।
82. खुला डेल्टा परिणामित्र सुरक्षापूर्वक भार के लिए 58 प्रतिशत आपूर्ति बनाए रख सकता
83. $E=F/A$
84. प्रदीप्ति का मात्रक – लक्स
85. प्रदीप्ति फलक्स का मात्रक – कैण्डला
86. प्रकाश की तीव्रता का मात्रक – कैण्डला
87. ठोस कोण का मात्रक – स्टेरेडियन/कोण का रेडियन
88. ड्रॉइंग कार्य के लिए अत्यधिक प्रदीप्ति प्रकाश की अनावश्यकता ।
89. प्रदीप्ति का प्रथम नियम व्युत्क्रम वर्ग का नियम
90. टंगस्टन का गलनांक – 3400°C
91. टंगस्टन का ताप गुणांक – 0.005
92. सोडियम वैपर लैम्प में गैस – नियान गैस
93. घूमती हुई वस्तु का उल्टी दिशा में घूमना प्रतीत होना स्ट्रैबोस्कोपिक प्रभाव कहलाता है।
- (वैद्युतिक मापक यंत्र)
1. इंटेग्रेटिंग प्रकार का यंत्र है।
- अ. ऊर्जा मीटर ब. अमीटर स. वाट मीटर द. वोल्टमीटर



Important Notes and Short Questions for Electrician trade

2. मापी यंत्रों की रेंज बढ़ाने हेतु प्रयुक्त किया जाता हैं
अ. शंट ब. मल्टीप्लायर
स. सीटी/पीटी द. उपरोक्त सभी
3. वैद्युतिक मापक यंत्रों की कमानी के निर्माण के लिए सबसे उपयुक्त धातु है।
अ. इस्पात ब. नाइक्रोम स. यूरेका द. फॉस्फोरस ब्रॉज
4. विद्युत शक्ति को मापने वाला मीटर..... कहलाता है।
अ. केडब्ल्यूएच मीटर ब. वोल्टमीटर
स. अमीटर द. वाटमीटर
5. परिपथ का विभवान्तर मापने वाला मीटरकहलाता है।
अ. वोल्टमीटर ब. अमीटर
स. मल्टीमीटर द. ओममीटर
6. उपभोक्ता की विद्युत उर्जा मापने वाला मीटर कहलाता हैं।
अ. वाटमीटर ब. एम्पियर घंटा मीटर
स. किलो वाट घंटा मीटर द. एवोमीटर
7. वैद्युतिक मोटर की घूर्णन गति किस मीटर द्वारा मापी जाती है
अ. टैकोमीटर ब. ओममीटर
स. मल्टीमीटर द. टोंग मीटर
8. एक बी ओ टी इकाई केतुल्य होता हैं
अ. 746 वाट-घंटे ब. 764 वाट घंटे
स. 1000 वाट घंटे द. 3600 वाट घंटे
9. वोल्टमीटर में विद्युत धारा प्रवाह का मान रखा जाताहैं
अ. न्यूनतम ब. नगण्य
स. अधिकतम द. अनन्त
10. सी बैक नामक वैज्ञानिक ने निम्न में से किस प्रभाव की खोज की थी।?,
अ. स्थिर वैद्युतिक प्रभाव ब. वैद्युत उष्मीय प्रभाव
स. पिजो इलैक्टिक प्रभाव द. सभी
11. मैगर का मिश्रण हैं
अ. मोटर व जनरेटर ब. जनरेटर व अमीटर
स. जनरेटर व वोल्टमीटर द. जनरेटर व मीटर
12. मैगर किस गति पर कार्य करता है।
अ. 100 RPM ब. 120 RPM
स. 140 RPM द. 160 RPM
13. मैगर का उपयोग के परीक्षण के लिये भी किया जा सकता हैं
अ. खुला परिपथ ब. शॉर्ट सर्किट
स. खुले तथा शॉर्ट सर्किट द. उच्च प्रतिरोध परिपथ
14. मल्टीमीटर माप सकता हैं
अ. धारा ब. वोल्टेज
स. प्रतिरोध द. सभी
15. मूविंग आयरन यंत्र होते हैं।
अ. आकर्षण प्रकार के
ब. विकर्षण प्रकार के
स. आकर्षण व विकर्षण दोनों
द. डायनमो प्रकार



Important Notes and Short Questions for Electrician trade

16. चल कुण्डली यंत्रपर प्रयोग किये जाते हैं
अ. ए सी व डी सी दोनों ब. केवल ए सी
स. केवल डी सी द. अर्द्धतरंग परिशोधित ए सी
17. मूविंग क्वॉयल स्थायी चुम्बक यंत्र.....पर प्रयोग किये जा सकते हैं।
अ. एसी व डीसी दोनों ब. केवल एसी
स. केवल डीसी द. अर्द्धतरंग परिशोधित एसी
18. एम सी यंत्रों की तुलना में एम आई यंत्रों की लागत.....
अ. अधिक होती है। ब. कम होती है।
स. समान होती है द. ठीक होती हैं
19. एम सी यंत्रों की तुलना में एमआई की खपतहोती हैं
अ. बराबर ब. अधिक
स. कम द. बहुत कम
20. यदि मल्टीमीटर की बैटरी कमजोर हो तो यह.....
अ. शुद्ध रीडिंग देगा ब. अधिक रीडिंग देगा
स. कम रीडिंग देगा द. कोई रीडिंग नहीं देगा
21. एक निश्चित मल्टीमीटर के लिये प्रचालित वोल्टेज होत हैं
अ. 230V एसी ब. 230 V डीसी
स. 9 V डीसी द. 9 V एसी
22. एक अच्छे अमीटर का आन्तरिक प्रतिरोधहोता हैं
अ. शून्य ब. अधिकतम स. मध्यम द. अनन्त

23. एक आदर्श वोल्टमीटर का प्रतिरोधहोता हैं
अ. अनन्त ब. अधिकतम स. मध्यम द. शून्य
24. कंट्रोल टॉर्क कोउत्पन्न किया जाता हैं
अ. विद्युत स्थैतिक ब. तापीय
स. हैमर स्प्रिंग का प्रयोग करके द. तरल घर्षणद्वारा
25. विक्षेपक टार्क को..... द्वारा सम्पन्न किया जा सकता हैं
अ. ग्रेविटी कंट्रोल ब. स्प्रिंग कंटोल
स. वायु घर्षण द. चुम्बकीय प्रभाव

CRO NOTES

C.R.O. --- CATHODE RAY OSCILLOSCOPE

C.R.T.—CATHODE RAY TUBE

CRO से कौन variables directaly मापा नहीं जा सकता
— करन्ट

एक डवेल ट्रेस CRO में — एक इलेक्ट्रॉन गन, दो पोल स्विच ,
एक हॉरीजेन्टल , एक वर्टिकल एम्पलीट्यूड 2

CRO का INPUT IMPEDANCE लगभग होता है— 1 मैगा
ओम

एक dual trace cro में कितने time base circuit
होते हैं— 1

सी.आर.ओ.की स्क्रीन पर लेपित पदार्थ होता है— फॉस्फोरस

सी.आर ओ में किस अवयव की सहायता से इच्छित बैंड चौड़ाई
प्राप्त की जाती है— वर्टिकल एम्पलीफायर

सी. आर. ओ. में हॉरीजेन्टल तथा वर्टिकल सिग्नल का प्रारम्भ क
साथ करने हेतु उपलब्ध है।— ट्रिगर सर्किट



Important Notes and Short Questions for Electrician trade

सी.आर.ओ. का उपयोग ए.सी. तथा डीसी मापने में किया जाता है।

DSO (digital storage oscilloscope) का स्टोरेज टाइम होता है।— अनन्त

सीआरओ का दूसरा नाम— एक्स वाई प्लॉटर। सीआरओ का उपयोग— रडार में तथा रेडियो प्रसारण में।

सीआरओ का हृदय— सीआरटी ।— फंक्शन जनरेटर की आवृत्ति स्थिरता — 0.05प्रतिशत

फंक्शन जनरेटर कौन कौन से आउटपुट देता है— sine, cosine, triangle

Cro के किस कंट्रोल के द्वारा पर्दे पर सिग्नल की प्रकाश तीव्रता को समायोजित किया जाता है। — इन्टेनसिटी

सीआरओ के पर्दे पर सिग्नल की शार्पनेस समायोजित करता है— फोकस

सीआरटी के पर्दे की आन्तरिक सतह पर लैप चढा होता है— जिंक सिलिकेट

सीआरटी का कौनसा भाग इलैक्ट्रॉन का उत्सर्जन करता है— इलैक्टॉन गन

सीआटी प्रचालित होती है— थर्मिओनिक एमीशन द्वारा।

बहुफेज प्रणाली

1. बहुफेज प्रणाली में घूर्णन चुम्बकीय क्षेत्र उत्पन्न होता है।
2. बहुकलीय अनुक्रम आर वाई बी (लाल पीला नीला)
3. सन्तुलित परिपथ में न्यूट्रल धारा का मान शून्य होता है
4. फेजक्रम मापने के लिए — कला अनुक्रम मीटर होता है
5. दो वाटमीटर विधि का उपयोग सन्तुलित असंतुलित लोड के लिए किया जाता है।

6. एक वाटमीटर विधि का उपयोग — सन्तुलित लोड के लिए किया जाता है।

7. तारा संयोजन प्रणाली में— न्यूट्रल बिन्दू उपस्थित होता है

8. न्यूट्रल बिन्दू को स्थिर रखने के लिए टर्शियरी वाइण्डिंग होती है

9. टर्शियरी वाइण्डिंग डेल्टा नुमा आकृति में होती है।

10. कला अनुक्रम मीटर 3 Φ प्रेरण मोटर के सिद्धान्त पर कार्य करता है।

11. किसी ए सी मोटर को प्रारम्भ में कम वोल्टेज पर प्रचालित करने के लिए स्टार संयोजन का प्रयोग किया जाता है।

12. डेल्टा संयोजन का उपयोग प्रेरण मोटर को प्रारम्भ से सामान्य गति पर चलाने के लिए किया जाता है

13. प्रत्यावर्ती धारा व वोल्टता का किसी भी पल का मान तात्कालिक मान कहलाता है।

14. सभी विद्युत मापक यंत्र एसी का आरएमएस मान दर्शाते है।

15. गणनाओं आदि में ए सी का औसत मान प्रयोग किया जाता है

16. ए सी के आरएमएस मान व औसत मान का अनुपात फार्म फैक्टर कहलाता है।

17. यदि दो प्रत्यावर्ती राशियों के बीच का अन्तर 90° हो तो वे क्वाड्रेचर राशि कहलाती हैं

18. ए सी तरंग का आरएमएस उष्मा पर निर्भर करता है।

19. ए सी तरंग का औसत मान आवेश पर निर्भर करता है।

20. ए सी तरंग का शिखर मान आनन्स पर निर्भर करता है।

21. एक परिपथ का शक्ति गुणक 0.6 लैगिंग व प्रतिबाधा 10 ओम होतो प्रतिरोध $\cos \Phi = R/Z = 6 \Omega$

22. रिएक्टिव पावर की यूनिट वी ए आर



Important Notes and Short Questions for Electrician trade

23. आर सी श्रेणी परिपथ का पी एफ होगा— अग्रगामी
24. किस कोण पर धारा का आर एम एस व तात्कालिक मान बराबर होंगे— 45°
25. शुद्ध प्रेरणिक परिपथ में वास्तविक शक्ति शून्य होती है।
26. धारा को प्रत्यावर्ती कहते हैं— जब धारा का मान व दिशा समय के साथ बदलती है।
27. वोल्टेज व धारा के बीच का कोण फेज अंतर कहलाता है।
28. ए सी परिपथ में आयाम घटक का मान 1.11
29. आवृत्ति तरंगदैर्घ्य तथा तरंग गति में सम्बंध — $f \cdot \lambda$
30. किसी परिपथ का शक्ति गुणक $kvar$ परिवर्तन कर सुधारा जा सकता है।
31. दो ए सी राशियों मध्य कालान्तर क्या होगा—यदि एक राशि अधिकतम मान पर पहुँचती है तो दूसरी न्यूनतम मान पर पहुँचती है। — 90°
32. शुद्ध डीसी के लिए फार्म फैक्टर क्या होगा— 1
33. किस तरंग का आरएमएस मान उच्चतम — वर्गाकार तरंग
34. ए सी ज्या तरंग के एक पूर्ण चक्र के दोरान औसत मान क्या होगा— 0
35. क्वाड्रेचर राशियों में कलान्तर होता है— 90°
36. धारितीय प्रतिबाधा का मात्रक — ओम
37. एसी प्रत्यावर्ती राशियों का औसत मान — 0.637
38. धारिता का मात्रक — फ़ैरड
39. प्रतिबाधा का मात्रक ओम , $pf = \cos\Phi = R/Z$
40. वास्तविक या एक्टिव पावर को वाटफुल शक्ति भी कहते हैं—इसे केडब्ल्यू में मापा जाता है
41. रिएक्टिव को वाटलेस शक्ति भी कहते हैं— इसे केवीए में मापा जाता है
42. एडमिटन्स इम्पीडेन्स का व्युत्क्रम है— मात्रक साइमन या म्हो
43. सस्सेप्टेन्स रिएक्टैन्स का व्युत्क्रम है। मात्रक साइमन या म्हो
44. $X_L = X_C$ अनुनाद कहलाता है
45. सिंगल फेज में 90° का कलान्तर ।
46. 3 फेज में 120° का कलान्तर।
47. कैपेसिटिव ए सी परिपथ में— धारा वोल्टेज से आगे चलती है।
48. किसी शुद्ध प्रतिरोधी परिपथ का पावर फैक्टर 1.0 होता है।
49. आर एल सी श्रेणी परिपथ का परिणामी प्रतिघात . $X_L = X_C$ होता है।

अध्याय — 1

1. लाल रंग का बॉर्डर तथा लाल रंग की कोस पट्टी किस प्रकार के सुरक्षा चिन्हों में बनायी जाती है— निषेधात्मक
2. फ्यूज सदैव संयोजित करना चाहिए— फेज तार पर / कलीय / जीवित / लाइव तार
3. फ्यूज कैसी युक्ति है।— सुरक्षा युक्ति 4. फ्यूज लाइन के — श्रेणी क्रम में संयोजित
5. फ्यूज का कार्य— परिपथ में लघुपथित(शॉर्ट सर्किट) व ओवरलोड (अतिभार) स्थिति में
6. फ्यूज का गलनांक व प्रतिरोध —कम व अधिक 7. फ्यूज तार— टिन व लैड
8. फ्यूज की रेटिंग — एम्पियर 9. फ्यूज का प्रभाव व सिद्धान्त — ऊष्मीय



Important Notes and Short Questions for Electrician trade

10. भीगे हुए शरीर का प्रतिरोध – कम
11. कृत्रिम श्वास क्रिया की सरलतम विधि– मूँह से मूँह
12. किस विधि में पीडित को पीठ के बल लिटाकर उसकी पंथ के नीचे तकिया लगाते है।-सिल्वेस्टर
13. लकड़ी कागज कपड़ा जूट किस के प्रकार है- श्रेणी ए (जल युक्त अग्निशामक यंत्र)
14. मिटटी का तेल डीजल पेट्रोल- श्रेणी बी (फोम टाइप अग्निशामक यंत्र)
15. सिलेण्डर एल पी जी गैस- श्रेणी सी (शुष्क पाउडर , कार्बन डाई ऑक्साइड)
16. बिजली के उपकरणों में-श्रेणी डी (कार्बन डाई ऑक्साइड, शुष्क चूर्ण, सी टी सी)
17. परिपथ का सबसे कमजोर भाग- फ्यूज
11. रिले में विद्युत धारा के कौन से प्रभाव का उपयोग किया जाता है।- चुम्बकीय
12. एक चक्र में रेडियस की संख्या- 2π
13. एक आरएमएस वोल्टेज के ए सी तरंग के औसत वोल्टेज के अनुपात को क्या कहा जाता है- फॉर्म फैक्टर
14. एक तीन फेज आपूर्ति के फेजों के बीच अंतर का मान है- 120 डिग्री
15. निम्न वोल्टेज केबिल- 250 V 16. मध्यम वोल्टेज केबिल- 650V
17. उच्च वोल्टेज केबिल- 22000 V 18. अति उच्च वोल्टेज केबिल - 22केवी से अधिक
19. चालक का साइज मापने के लिए किस यंत्र का प्रयोग किया जाता है- SWG

अध्याय – 2

1. विद्युत आवेश की मात्रा की इकाई- कूलॉम
2. एक जूल प्रति सैकण्ड है- 1 वोल्ट
3. बस बार में प्रयोग की जाने वाली धातु- कठोर खिंचा तौबा
4. कार्बन का तापमान बढ़ने पर- प्रतिरोध बढ़ेगा।
5. परमाणु क्रमांक- इलेक्ट्रॉन + प्रोटॉन की संख्या
6. ऊष्मा की इकाई - कैलरी
7. एक वाट शक्तिके बराबर होती है- 1जूल/सैकण्ड
8. यदि एक तार की मोटाई में वृद्धि की जाती है। तो तार के प्रतिरोध के मान पर क्या प्रभाव पड़ेगा- कम होजायेगा।
9. जब तापमान में वृद्धि होती है तो चालको संवाह को के प्रतिरोध पर क्या प्रभाव पड़ता है- वृद्धि हो जाती है।
10. विद्युत धारा को 1 एम्पियर मेंके प्रवाह के रूप में वर्णित किया जा सकता है।- 6.28.10¹⁸ इलेक्ट्रॉन/सैकण्ड
20. सोल्डरिंग आयरन का बिट- तौबे 21. नर्म सोल्डरिंग 450 डिग्री से कम
22. पोस्ट ऑफिस बॉक्स के द्वारा अर्थ दोष स्थल की खोज के लिए किया गया परीक्षण कहलाता है।
1. मुरे लूप परीक्षण 2. अर्थ दोष परीक्षण 3. न्यूट्रल परीक्षण 4. ये सभी
23. चालकता का मात्रक - साइमन
24. ओम मीटर का प्रयोग प्रतिरोध मापने के लिए किया जाता है
25. चुम्बकीय फ्लक्स का मात्रक-वैबर या मैक्सवेल
26. चु. फ्लक्स घनत्व का मात्रक- वैबर/मी² / टैसला
27. इ एम एफ का मात्रक- एम्पियर टर्न
28. प्रतिष्टम्भ का मात्रक - एम्पियर टर्न/वैबर
29. चुम्बकशीलता की इकाई- नहीं।
30. परमिटेन्स का मात्रक- वैबर / एम्पियर टर्न



Important Notes and Short Questions for Electrician trade

31. स्थाई चुम्बक बनाने के लिए – सिलिकॉन, निकिल, कोबाल्ट, मैगनीज, एलनिको, एल्कोनेक्स आदि।

32. विद्युत चुम्बक एक अस्थायी चुम्बक है।

33. शिखर मान व प्रभावी मान का औसत पीक फैक्टर या क्रैस्ट फैक्टर कहलाता है।

34. प्रभावी मान/औसत मान का अनुपात फॉर्म फैक्टर कहलाता है।

35. प्रेरकत्व की इकाई– हैनरी 36. प्रेरकी प्रतिघात की इकाई– Ω

37. संधारित्र की इकाई– फैरड

38 $1 \mu\text{F}$ (microfarad, one millionth (10^{-6}) of a farad) = $0.000\ 001\ \text{F} = 1000\ \text{nF} = 1000000\ \text{pF}$

39 $1\ \text{nF}$ (nanofarad, one billionth (10^{-9}) of a farad) = $0.001\ \mu\text{F} = 1000\ \text{pF}$

40 $1\ \text{pF}$ (picofarad, one trillionth (10^{-12}) of a farad)

41 $P.F = R/Z$

42. प्रतिबाधा की इकाई – Ω

43. एडमिटैन्स की इकाई– साइमन

44. सस्सेप्टैन्स की इकाई– साइमन

45. अनुनाद आवृत्ति – $2\pi LC$

46. अनुनाद $X_L = X_C$

47. सिंगल फेज प्रणाली में कलान्तर– 90° 48. स्टार संयोजन में लाइन वोल्टेज– वीएल=रूड $3VP$

49. डेल्टा में लाइन धारा – रूड 3गुणा फेज धारा

50. 3.फेज का कम– आर वाई बी

मौलिक विद्युत

1. विद्युत धारा का मात्रक– एम्पीयर 2. धारा मापक – अमीटर
3. अमीटर संयोजन– श्रेणी

4. विद्युत धारा की चाल/प्रकाश की चाल– 3×10^8 एम/एस

5. प्रोटॉन पर आवेश – धनात्मक $+1.6 \times 10^{-19}$ कूलाम आवेश।

6. इलेक्ट्रॉन पर आवेश – ऋणात्मक -1.6×10^{-19} कूलाम आवेश

7. विभवान्तर का मात्रक– वोल्ट

8. विभव का मात्रक – V

9. कार्य =बल.विस्थापन , मात्रक जूल

10. शक्ति $p = w/t$

11. 1 हॉर्स पावर– 735.5 न्यूटन-मीटर/सैकण्ड

12. 1जूल – 10^7 अर्ग

13. कार्य का छोटा मात्रक– अर्ग

14. 1वाट– 1जूल/सैकण्ड

15. 1HP – ब्रिटिश में – 746 जूल / सै. या वाट

16 1HP – मिट्रिक में– 735.5 जूल / सै. या वाट

17.ऊर्जा का मात्रक– जूल

18. सबसे अच्छा सुचालक– चोदी

19.ट्यूब लाइट या बल्ब का फिलामेन्ट टंगस्टन धातु का बनाया जाता है।

20. पीतल धातु– तौबा+जिंक से बनायी जाती है।

21.यूरेका धातु– 60% कॉपर+ 40% निकल मिश्र से बनाया जाता है।



Important Notes and Short Questions for Electrician trade

22. मैगनिन – 84% कॉपर 12% मैगनिन व 4% निकल धातु से बनायी जाती है। मैगनिन से प्रतिरोध बनाये जाते हैं।
23. नाइक्रोम तार 80% निकल व 20% क्रोमियम। उपयोग— तापन तंतु बनाने में।
24. अचालक के अनुसार वाई वर्ग का तापमान 90°
25. आवेश की मात्रा Φ ज्ञात करने का सूत्र – $\Phi = I \times t$
26. एलास्टोमर किस वर्ग का तापमान— 180°.
27. रिले – कॉन्टैक्टर्स आदि में संयोजक बिन्दू बनाने के लिए चाँदी धातु का उपयोग किया जाता है?
28. पीवीसी केबिल के ऊपर थर्मोप्लास्टिक कम्पाउण्ड का आवरण चढाकर ट्रोपोडयोर केबिल तैयार की जाती हैं
29. ऑयल फिल्ड व गैस प्रेशर केबिल 66केवी से 132 केवी तक की क्षमता में बनाये जाते हैं।
30. सोल्डरिंग आयरन का बिट – कॉपर धातु का बना होता है।
31. सोल्डर मे टिन व लैड का अनुपात – 63:37।
32. इलेक्ट्रीशियन के उपयोग में आने वाले सोल्डरिंग फ्लक्स में रेजिन रसायन उपयोग होता है
33. नर्म सोल्डरिंग 450° से कम पर की जाती हैं
34. भूमिगत कैबिल का आर्मरिंग कवच— गैल्वेनाइज्ड स्टील तार से बनाया जाता है?
35. जब किसी चालक का व्यास (मोटाई) बढ़ायी जाती है तो प्रतिरोध घटता है।
36. जब किसी चालक की लम्बाई बढ़ाई जाती है तो प्रतिरोध बढ़ जाता है
37. विशिष्ट चालकता का मात्रक— साइमन प्रति सेमी।
38. कार्बन प्रतिरोध बनाने के लिए यूरेका धातु का प्रयोग किया जाता है।
39. गेल्वेनोमीटर का संयोजन समान्तर क्रम में।
40. गेल्वेनोमीटर बहुत कम मान की धारा का मापन करता है
41. व्हीट स्टोन ब्रिज का उपयोग अज्ञात मान के प्रतिरोध मापने में किया जाता है,
42. विशिष्ट प्रतिरोध की इकाई— ओम—सेमी।
43. लौह चुम्बकीय पदार्थ – लौह, इस्पात, निकल, कोबाल्ट आदि
44. अनुचुम्बकीय पदार्थ – तॉबा, एल्यूमिनियम, प्लेटिनम, मैगनीज।
45. डाया चुम्बकीय (प्रति चुम्बकीय) – बिस्मथ, एन्टीमनी
- 46.1 वैबर— 1वैबर/मी²
47. प्रतिष्टम का मात्रक – एम्पियर टर्न /वैबर
48. पारगम्यता (परमिएन्स)— वैबर/एम्पियर टर्न
49. परमिएबिलिटी का मात्रक— कोई नहीं प्रतिक म्यू
50. टेस्ला मात्रक है— फ्लक्स घनत्व
51. एमएमएफ का मात्रक— एम्पियर टर्न
52. चुम्बक के प्रति इकाई क्षेत्रफल का अनुपात – फ्लक्स घनत्व कहलाता है।
53. हिस्टैरेसिस हानिया कम करने के लिए सिलिकॉन स्टील की पर्त चढायी जाती है।
54. पैरा मैग्नेटिक पदार्थों की चुम्बकशीलता एक से अधिक।
55. फ़ैरा मैग्नेटिक पदार्थों की चुम्बकशीलता इकाई से काफी अधिक।
56. डाया मैग्नेटिक पदार्थों की चुम्बकशीलता इकाई से कम।
57. फॉर्म फैक्टर का मान – 1.11
58. धारिता का मात्रक— फ़ैरड



GURUKUL

Pvt. Industrial Training Institute



A-06 Manglam city, kalwar Road, jhotwara, jaipur

Important Notes and Short Questions for Electrician trade

59. कैपेसिटिव रिएक्टेंस का मात्रक— ओम
60. इम्पीडेन्स का मात्रक – ओम
61. वास्तविक शक्ति / आभासी शक्ति = पावर फैक्टर कहलाता है।
62. एडमिटेन्स का मात्रक— साइमन
63. वोल्टेज के सापेक्ष प्रैरकीय परिपथ में धारा लैगिंग होती है।
64. दो वाटमीटर व तीन वाटमीटर विधि संतुलित व असंतुलित लोड मापन के लिए उपयोगी
65. एक वाटमीटर विधि का उपयोग संतुलित लोड का मापन करने के लिए।
66. 3 फेज की उपस्थिति सही ज्ञात करने के लिए कला अनुक्रम मीटर होता है
67. तीन स्वतंत्र आर्मेचर वाइण्डिंग में 120° का कलान्तर होता है।
68. सिंगल फेज वाइण्डिंग में 90° का कलान्तर होता है।
69. न्यूट्रल बिन्दू स्टार में होता है।
70. मोटरो में स्टार संयोजन 3एचपी तक किए जाते है।
71. ड्रम स्विच— एक साथ कई परिपथों को ऑन/ऑफ करने के लिए ड्रम स्विच का उपयोग
72. कोण का मात्रक – रेडियन
73. ठोस कोण का मात्रक – स्टेरेडियन



Important Notes and Short Questions for Electrician trade

ट्रेड औजार

1. लम्बाई का मात्रक— मीटर	30. चु. वाहक बल— एम्पीयर टर्न
2. द्रव्यमान — किलोग्राम	31. रिलक्टैन्स या प्रतिष्टम्भ— एम्पीयर टर्न / वैबर
3. समय — सैकण्ड	32 परमिएन्स या प्रवृत्ति — वैबर / एम्पियर टर्न
4. विद्युत धारा — एम्पीयर	33 प्रेरक या चोक— हैनरी
5. तापमान — कैंल्विन	34 प्रेरकीय प्रतिबाधा— ओम
6. ज्योति तीव्रता— केण्डला	35 विद्युत आवेश — कूलम्ब
7. पदार्थ की मात्रा— मोल	धारितीय प्रतिबाधा — ओम
8. बल — न्यूटन	36 प्रतिबाधा या इम्पीडेन्स — ओम
9. क्षेत्रफल — वर्गमीटर	37 वास्तविक शक्ति या एक्टिव पावर — केडब्ल्यू
10. पावर — वाट	38 रिएक्टिव पावर — केवीएआर या वीएआर
11. प्रतिरोध— ओम	39 एडमिटेन्स या प्रवेश्यता — म्हो या साइमन
12. दाब — न्यूटन प्रति वर्ग मीटर	40 चलकता — साइमन या म्हो
13. आवृत्ति — हर्टज	41 सस्सेप्टेन्स — साइमन या म्हो
14. कार्य— जूल	42 ज्योर्तिमय — लक्स
15. ऊर्जा— जूल	43 ज्योर्तिमय पलक्स — ल्यूमेन
16. ऊष्मा — जूल	44 ठोस कोण — स्टेरेडियन
17. विद्युत आवेश — कूलाम	45 ब्राइटनेश — कैण्डला / मी ² या कैण्डला / सेमी
18. चु. पलक्स — टैस्ला	
19. धारिता — फैरड	
20. कोणीय वेग — रेडियन प्रति सैकण्ड	
21. विभवान्तर — वोल्ट	
22. विद्युत वाहक बल— वोल्ट	
23. विभव — वोल्ट	
24. चालकता — सीमेन / साइमन / म्हो	
25. विशिष्ट चालकता — सीमेनप्रति सेमी	
26. चु. पलक्स — वैबर या मैक्सवैल	
27. प्रेरकत्व— हैनरी	
28. घनत्व — किग्रा / प्रति घन मीटर	
29. वैग — मीटर प्रति सैकण्ड	

46 प्रदीप्ति दक्षता —
ल्यूमेन / वाट
47 प्रतिरोध — ओम

धारा का रूपान्तरण

1. एसी टू डीसी —
रेक्टिफायर या दिष्टकारी
2. डीसी टू एसी — दौलित्र
या ऑसीलेटर या
इनवर्टर
3. एसी टू एसी —
स्लिपरिंग(सर्पिलवलय)
4. डीसी टू डीसी — चौपर
5. एसी टू डीसी—
कम्यूटेटर(दिकपरिवर्तक)
6. एसी टू डीसी — स्प्लिट
रिंग

ऊर्जा का रूपान्तरण

1. मोटर — विद्युत उर्जा को
यांत्रिक उर्जा
2. जनरेटर या आल्टरनेटर
— यांत्रिक उर्जा को
विद्युत उर्जा में।

मीटर

1. अमीटर — विद्युत
धारा मापन
2. वोल्टमीटर —
वोल्टेज का मापन
3. ओममीटर — प्रतिरोध
मापन
4. मल्टीमीटर —
एम्पियर वोल्ट ओम
मापन
5. वाटमीटर — शक्ति
मापन
6. एनर्जी मीटर— ऊर्जा
मापन
7. आवृत्ति मीटर —
आवृत्ति मापन
8. पावर फैक्टर मीटर
— शक्ति गुणक का
मापन
9. अथ टैस्टर — भूमि
का प्रतिरोध मापन
10. मैगर — अर्थ का
प्रतिरोध मापन या
इंसुलेशन का
प्रतिरोध मापन
11. टेकोमीटर — मोटर
के आर पी एम मापन
12. टोंग परीक्षक या
विलपऑन मीटर— चालू
लाइन की सप्लाई धारा
मापन



Important Notes and Short Questions for Electrician trade

1. पोकर कोसुम्बी या ब्राडल भी कहते हैं
2. फज टैस्टर – 500 वोल्ट तक मापन।
3. लैम्प फ्रेज टैस्टर में – नियॉन लैम्प।
4. माइक्रोमीटर नट बोल्ट के सिद्धान्त पर कार्य।
5. वायर गेज– साइज– 0 से 36 व्यास का मापन।
6. लग्स लगाने के लिए किम्पिंग टूल का उपयोग किया जाता है।
7. विद्युत्कार के लिए बैंच वाइस उपयुक्त है।
8. गुनिया द्वारा जॉब की समकोणता मापी जाती है।
9. मुद्रित सर्किट बोर्ड पर छिद्र करने से पहले चिन्ह बनाने के लिए पंच औजार का प्रयोग किया जाता है?
10. सेन्टर पंच का प्वाइन्ट कोण 90° होता है
11. हैण्ड रेती हाई कार्बन स्टील की बनाई जाती है।
12. सर्फेस प्लेट पीतल (ब्रास) नहीं बनाई जाती है।
13. यूनिवर्सल सर्फेस गेज में लगी दो पिनों को गाइड पिन कहते हैं?
14. प्रिक पंच का प्वाइन्ट कोण 30° होता है।
15. कैलीपर माइल्ड स्टील के बने होते हैं।
16. वाइस का साइज जबडों की चौड़ाई से लिया जाता है।
17. घरेलू बर्तन बनाने के लिए एल्युमिनियम शीट का प्रयोग होता है?
18. स्टील स्क्वायर की लम्बी भूजा टोंग कहलाती है।
19. ट्रेमल द्वारा 6 त्रिज्या तक के चाप लगाए जाते हैं
20. भटठी केनिमार्ण के लिए गैल्वेनाइज्ड आयरन स्टील धातु का प्रयोग किया जाता है।
21. हैमर का वर्गीकरण– पीन के आकान व तौल के आधार पर।
22. रेती (फाइल) की लम्बाई प्वाइन्ट से हील तक नापी जाती है।
23. चीजल (छेनी)के निमार्ण में हाई कार्बन स्टील धातु है।
24. वर्नियर कैलीपर का अल्पतमान 0.02 मिमी होता है।
25. गर्म छेनी का कर्तन कोण– 30° से 70° होता है।
26. ठण्डी छेनी का कर्तन कोण – 40° से 60° होता है
27. BSW- british standard whitworth
28. BSF – british standard pine
29. BSP- british standard pipe
30. BA- BRITISH ASSOCIATION
31. ANS- American national
32. ME- metric
33. सेन्टर पंच का कोण– 90°
34. डॉट पंच का कोण– 60°
35. माइक्रोमीटर का अल्पतमांक– 0.01 मिमी
36. फीलर गेज – कार्बन स्टील से बनाया जाता है।
37. फीलर गेज को एयर गेज मीटर भी कहते हैं।
38. कंसा– तौबा व टिन 39. जर्मन सिल्वर– 60% कॉपर, 25%निकल, 15%जस्ता।
39. सेने का गलनांक– 1060°C
40. पीला पीतल– मानक पीतल भी कहलाता है
41. मुंटज पीतल को ढलाई पीतल भी कहते हैं।
42. लोहारखाने में गर्म वस्तु को काटने के लिए गर्म छेनी का प्रयोग करते हैं।



Important Notes and Short Questions for Electrician trade

बेसिक विद्युत

1. ओम का नियम— चालक में प्रवाहित धारा तथा पार्श्व में विभवान्तर में।
2. विशिष्ट चालकता का मात्रक— म्हो/मीटर
3. 1 KWH=180K-CAL
4. कंडक्टर में उत्पन्न उष्मा समय के समानुपाती होती है।
5. स्थिर विद्युत घर्षण द्वारा उत्पन्न की जाती हैं।
6. कन्डेन्सर की कैपेसिटी मापने की इकाई फ़ैरड होती हैं
7. एक ऋणावेश पर विद्युत वाहक बल रेखाओं की दिशा रेखिए आन्तरिक होगी।
8. एक धनावेश पर विद्युत वाहक बल रेखाओं की दिशा रेखिए बाहरी होगी।
9. नियोन लैम्प में 10 मिमी दाब पर नियॉन गैस भरी जाती हैं
10. नियोन लैम्प का प्रयोग इण्डीकेटर में किया जाता है।
11. हॉट वायर बॉयलर में उष्मा किस विधि से स्थानान्तरित होती हैं— संवहन
12. फूड मिक्सर में यूनिवर्सल मोटर प्रयोग की जाती है।
13. वाशिंग मशीन की कार्यप्रणाली अपकैन्ड्रिय सिद्धान्त पर आधारित होती हैं
14. प्रेशर कूकर में खाना जल्दी क्यों पकता है— बढा हुआ प्रेशर उबलन बिन्दू बढा देता
15. आर्क लैम्प का आविष्कार डैवी ने किया था।
16. ट्यूब यूनिटी पावर फ़ैक्टर रखने वाला घरेलू उपकरण है।
17. भारतीय विद्युत नियमों के अनुसार सप्लाई वोल्टेज 5 प्रतिशत घट बढ जाती है।
18. स्विच बॉर्ड फिट करने की उचाई 1.5 मीटर होती हैं
19. घरों केपंखे तथा लैम्प जूडे होते हैं।— समान्तर क्रम में।
20. 3 फेज लाइन का रंग क्रम — लाल पीला नीला।
21. मैगर रजिस्टैंस की इकाई मिलि ओम में मापता है।
22. शॉर्ट सर्किट को उच्च धारा प्रवाह से पहचाना जा सकता है।
23. विद्युत परिपथ में तार विद्युतमय तार में लगाया जाता हैं
24. परिपथ में फ्यूज का प्रयोग—परिपथ में जूडे उपकरणों को बचाने के लिए।
25. नमी वालेस्थानों के लिए कन्ड्यूट वायरिंग उपयुक्त है।

26. कार्बन फिलामेन्ट लैम्प का कार्यकारी तापमान 2000°C होता है।
27. विद्युत पंखे में कैपेसिटर का कार्य— फेज शिफ्ट करना।
28. बकोल्ज रिले गैसीय होती है।
29. वह न्यूनतम धारा जिस पर फ्यूज पिघल जाता है—गलन धारा कहलाती हैं
30. भूमि का प्रतिरोध अर्थ टैस्टर से मापा जाता है।
31. फ्यूज वायर की रैटिंग एम्पियर में मापी जाती हैं
32. रिले का मुख्य कार्य — दोष ढूढना।

बेसिक विद्युत

1. परावैद्युत सामर्थ्य की इकाई— वोल्ट/मीटर
2. एक न्यूटन मीटर एक जूल के बराबर है।
3. नाभिक का आकार 10^{-15} मीटर है।
4. हाइड्रोजन परमाणु के न्यूक्लियस में प्रोटॉन की संख्या एक होती है।
5. इएमएफ के कारण विद्युत धारा प्रवाहित होती हैं।
6. वाट—सैकण्ड कार्य की यूनिट है।
7. जब सैल को समान्तर क्रम में लगाते हे तो करन्ट की क्षमता बढती है।
8. एम्पियर के नियम का प्रयोग—ओवरहेड लाइन में धारा की दिशा निर्धारित करने के लिए
9. कैल्विन तापक्रम की इकाई है।
10. एम्पियर सैकण्ड विद्युत आवेश की इकाई है।
11. जो उपकरण विद्युत प्रवाह का पता लगाता है उसे गेल्वेनोमीटर कहते है।
12. निरपेक्ष विद्युत शीलता का मात्रक फेरड/मीटर होता है।
13. चालकता को म्हो से प्रदर्शित किया जाता है।
14. विद्युत हीटर का तंतु नाइक्रोम से बना होता है।
15. प्रतिरोधक एक असक्रिय अवयव है।
16. खुले परिपथ में धारा का मान शून्य होता है।?
17. वायर वाउण्ड प्रतिरोध बनाने के लिए यूरेका धातु का प्रयोग किया जाता है।
18. बल्ब का तंतु टंगस्टन का होता है।
19. व्हीट स्टोन सेतु में अज्ञात प्रतिरोध मापा जाता है।
20. यदि एक चालक के तापक्रम को बढा दिया जाये तो प्रतिरोध बढेगा।
21. डीसी प्रदाय आवृति 0 होती है।



Important Notes and Short Questions for Electrician trade

22. चालकता का एस आई मात्रक— साइमन या म्हो/मी.
23. जूल कार्य व उर्जा की इकाई है।
24. तापक्रम बढ़ाने पर पदार्थ की डाइलैक्ट्रिक क्षमता घटती है।
25. एक कैपेसिटर वोल्टेज परिवर्तन का विरोध करता है।
26. विद्युत क्षेत्र एल्फा कणों को विक्षेपित करता है।
27. एक खोखले गोले में आंतरिक बिन्दू पर विद्युत क्षेत्र का मान शून्य होता है।
28. विद्युत विभव एक अदिश राशि है।
29. बीआइएस के अनुसार लैम्प कितने वाट होता है।— 60 वाट
30. छत का पंखा—60 वाट
31. फ्लोरोसेन्ट ट्यूब — 40
32. पवर सॉकेट— 1000वाट
33. टचालक पदार्थों का तापमान गुणांक ऋणात्मक होता है
34. पीवीसी— पॉली विनायल क्लोराइड
35. इलैक्ट्रॉन के खोजकर्ता— जे.जे. थोमसन
36. नाभिक के खोजकर्ता— रदरफॉर्ड
37. न्यूट्रॉन के खोजकर्ता — जैम्स चैडविक
11. एक लौह निर्मित कक्ष में एक वायु चूषण पंखा होता है जो इम्पैलर कहलाता है।
12. पम्पो को मुख्यतः दो भागों में बांटा गया है।
13. गीजर की आंतरिक टंकी टिन धातु की बनायी जाती है।
14. रेफ्रिजरेटर में फ्रॉन गैस होती है।
15. सीलिंग फेन में रेगुलेटर स्टेटर के श्रेणी में लगाया जाता है।
16. प्रशीतक में कैपेसिटर स्टार्ट कैपेसिटर रन मोटर होती है।
17. कैपेसिटर स्टार्टिंग कुण्डलन के श्रेणी क्रम में संयोजित होता है।
18. माइक्रोवेव ओवन डाइलैक्ट्रिक हीटिंग के सिद्धान्त पर कार्य करता है।
19. थर्मोस्टेट उपकरण में श्रेणीक्रम में संयोजित होता है
20. बजर— एसी सप्लाई
21. बैल — डी सी सप्लाई
22. बर्गलर अलार्म सुरक्षा अलार्म का कार्य करता है।
23. हैण्ड रेती हाई कार्बन स्टील से बनाई जाती है।
24. प्रिक पंच का प्वाइण्ट कोण 30° होता है।
25. स्क्राइबर का प्वाइण्ट 12—15पर होता है
26. स्क्राइबर हाई कार्बन स्टील का बनाया जाता है
27. इलैक्ट्रीशियन ट्रेड में बैच वाइस प्रयोग होती है

वैद्युतिक उपकरण

1. थर्मोस्टेट — ताप को नियत रखने के लिए
2. ग्लास वूल जल को शीघ्र ठण्डा नहीं होने देता
3. एक नए थर्मोस्टेट स्विच का प्रतिरोध अनन्त
4. गीजर के बाह्य ढक्कन व अन्तःटैंक के बीच में ग्लास वूल प्रयुक्त होता है।
5. छत के पंखे के परिपथ में रेगुलेटर का कार्य— आरोपित वोल्टता को घटाने के लिए
6. फूड मिक्सर में यूनिवर्सल मोटर का प्रयोग किया जाता है।
7. उपकरणों के हीटिंग एलिमेंट नाइक्रोम धातु के बने होते हैं।
8. गीजर की जल धारिता 25लीटर 100लीटर तक होती है।
9. टेबिल फेन के स्टेटर के साथ एक ऑसीलेटिंग युक्ति जुड़ी होती है। जाकि स्टेटर को 90 से 100 डिग्री तक घुमाती है।
10. रूम हीटर का परावर्तक निकल/क्रोमियम शीट का बना होता है।

मापक यंत्र नोट्स

1. यंत्र की सुग्राहिता ओम/वोल्ट में मापी जाती है।
2. वैद्युतिक उर्जा खपत मापने की सर्वोत्तम विधि एनर्जी मीटर है।
3. उर्जा मापी की चकती बिना लोड संयोजित फिर भी धीमी गति पर गतिमान रहती है। तो यंत्र में क्रिपिंग दोष विद्यमान रहता है।
4. अमीटर के परास विस्तार के लिए शंट प्रतिरोध हेतु मैगनिन पदार्थ का उपयोग किया
5. वैद्युतिक मापक यंत्रों की कमानी के निर्माण के लिए फॉस्फोरस ब्रॉज धातु का उपयोग किया जाता है।
6. एम आई धारामापी में वायु अवमन्दक विधि अपनायी जाती है।
7. वह बल जो किसी यंत्र के संकेतक को गतिमान करता है— विक्षेपण बल कहलाता है



Important Notes and Short Questions for Electrician trade

8. कंट्रोल बल द्वारा संकेतक के घुमाव की गति कंट्रोल की जाती है।
9. थर्मोकपल यंत्र के प्रभाव की खोज सीबैक ने की।
10. टोंग परीक्षक को क्लिप ऑन टैस्टर भी कहते हैं।
11. प्रत्यावर्ती धारा को चालू सप्लाई पर मापने के लिए टोंग परीक्षक उपयोग होता है।
12. रेक्टिफायर का उपयोग एसी को डीसी में परिवर्तन।
13. मोटर/जनित्र के आरपीएम मापने वाला मीटर टैकोमीटर कहलाता है।
14. अर्थ का प्रतिरोध मापने वाला यंत्र मैगर या अर्थ प्रतिरोध टैस्टर कहलाता है।
15. भूमि का अर्थ प्रतिरोध मापने के लिए अर्थ टैस्टर का प्रयोग किया जाता है।
16. मैगर को इन्सुलेशन टैस्टर भी कहते हैं।
17. डायनेमिक फ्रीक्वेंसी मीटर को रेशियोमीटर प्रकार का फ्रीक्वेंसी मीटर भी कहते हैं।
18. KWH मीटर इन्टीग्रेटिंग प्रकार का मीटर है।
19. वैद्युतिक परिपथ की शक्ति मापने के लिए वाटमीटर का प्रयोग किया जाता है।
20. शक्ति की इकाई वाट होती है।
21. मल्टीमीटर को एवीओ मीटर भी कहते हैं।
22. चल कुण्डली मीटर का उपयोग-डीसी सप्लाई मापने के लिए किया जाता है।
23. चल लौह मीटर का उपयोग- एसी व डीसी सप्लाई मापने के लिए किया जाता है।
24. मूविंग क्वॉयल यंत्र में एडीकरंट प्रणाली अपनायी जाती है।
25. मूविंग आयरन यंत्र में वायु घर्षण प्रणाली अपनायी जाती है।
26. एमसी यंत्र का पैमाना- आनुपातिक होता है।
27. एमआई यंत्र का पैमाना- आनुपातिक नहीं होता है।
28. एमसी यंत्र की सुग्राहिता बढ़ाने कल लिए उसकी क्वॉयल का प्रतिरोध न्यूनतम रखा जाता है।
29. पीसी (प्रेसर क्वॉयल)पतले तार अधिक टर्न से बनायी जाती है।
30. सीसी (करन्ट क्वॉयल)श्रेणी क्रम में संयोजित की जाती है।
31. पीसी क्वॉयल को शंट क्वायल भी कहते हैं।
32. सीसी क्वॉयल को सीरीज क्वॉयल भी कहते हैं।
1. बैटरी की एम्पीयर क्षमता बढ़ाने के लिए सैल को समान्तर क्रम में जोड़ा जाता है।
2. यदि सैलो कोश्रेणी क्रम में संयोजित किया जाता है। तो आउटपुट वोल्टेज बढ़ जाता है।
3. ट्रिकल चार्जिंग विधि से बैटरी बहुत कम दर चार्ज होती है।
4. द्रव का आपेक्षिक घनत्व मापने के लिए हाइड्रोमीटर का प्रयोग किया जाता है।
5. बैटरी से हमेशा डीसी विद्युत प्राप्त होती है।
6. बैटरी की पूर्णचार्ज अवस्था- इलेक्ट्रोलाइट का आपेक्षिक घनत्व - 1.25से1.28
7. बैटरी हाफ चार्ज-1.20 से 1.25
8. डिस्चार्ज - 1.18से कम
9. ट्रिकल आवेशन में धारा का 2प्रतिशत से 3प्रतिशत तक होता है।
10. बैटरी की क्षमता - ए एच(एम्पीयर घण्टे)
11. सैकण्डरी सैल का इएमएफ प्राइमरी से ज्यादा होता है।
12. सैकण्डरी सैल को संचित सैल भी कहते हैं। इसे पुनः चार्ज किया जा सकता है।
13. सैकण्डरी लैड एसिड सैल में चार दोष मुख्यतः पाये जाते हैं
अ. सेडीमेन्टेशन- प्लेटों का कुछ भाग आवेशन व निरावेशन के समय जड.ता है।
ब. कोरोजन- वायुमण्डल नमी के कारण टर्मिनलों पर सफेद नीली परत का चढ जाना निवारण- टर्मिनलों पर पेट्रोलियम जैली लगाते हैं।
स. बकलिंग- अधिक धारा पर चार्ज डिस्चार्ज करने से प्लेटो का मुड जाना।
निवारण- कम धारा पर चार्ज व डिस्चार्ज न करें।
द. सल्फेशन - एक सप्ताह से अधिक न करने पर लैड सल्फेट की पर्त का कडा हो जाना। निवारण- बैटरी को चार्ज करत रहें।
14. प्राथमिक सैलों में दोष - दो होते हैं।
अ. स्थानीय क्रिया दोष- जरते की छड में छोटे छोटे सैल बन जाना।
निवारण- पारेकी पर्त चढाये।
ब. ध्रवाच्छादन- एनोड पर बुलबुले के रूप में हाइड्रोजन गैस का जमा होना।



Important Notes and Short Questions for Electrician trade

- निवारण— निवारण के लिए जो पदार्थ (मैगनीज डाई ऑक्साइड) लगाया जाता है। वह विध्रुवक कहलाता है।
15. बैट्री की तली में कचरा जमा होने के लिए नालियाँ बनी होती है। जिसे मड हाउ कहते हैं।
 16. वोल्टेइक सैल में विध्रुवक नहीं होता है।
 17. जस्ते की छड पर पारे की पर्त चढाना अम्लगमेशन कहलाता है।
 18. निकैल आयरन सैल— तरल(द्रव्य)सैकण्डरी सैल हैं।
 19. बैट्री को चार्ज करने के लिए शन्ट जनित्र का उपयोग किया जाता है।
 20. शुष्क सैल को पोर्टेबल सैल भी कहते है।
 21. बैट्री के डिस्चार्ज होने पर दोनों प्लेटों का रंग सफेद होता है।
 22. आपेक्षिक घनत्व का कोई मात्रक नहीं होता है।
 23. द्रव्यमान / आयतन का अनुपात घनत्व कहलाता है।
 24. शुष्क सैल का इएमएफ -1.4से 1.5 ।
 25. स्क्ररी सैल को बटन सैल भी कहते हैं।
 26. वोल्टेइक सैल का इएमएफ - 1.08 वोल्ट
 27. **ELCB—EARTH LEAKAGE CIRCUIT BREAKER**
 28. ELCB - यह वोल्टेज प्रचालित युक्ति है।
 29. **MCCB-** मोल्डेड केस सर्किट ब्रेकर - एम्पियर 25 से 2500
 30. **MCB-** मिनिएचर सर्किट ब्रेकर - एम्पियर 5 स 60
 31. जीने की वायरिंग में टू वे स्विच का उपयोग किया जाता है।
 32. एसी में लीकेज धारा का मान $1/5000$ वे भाग।
 33. डीसी में लीकेज धारा का मान $1/2000$ वे भाग।
 34. कंट्रोल स्विच बॉर्ड की फर्श से ऊँचाई - 1.3 मीटर।
 35. पी वी सी का पूरा नाम- पॉली विनायल क्लोराइड।
 36. वैद्युतिक उप परिपथ में प्रकाश उपभोग बिन्दू - 10
 37. छत के पंखे को फर्श से न्यूनतम किस ऊँचाई पर लगाना चाहिए- 2.5 मीटर
 38. न्यूट्रल लाइन में केबिल का रंग- काला
 39. कण्ड्यूट पाइप का व्यास - 15मिमी
 40. वायरिंग में उपयोगित अर्थिंग तार का कुल प्रतिरोध - 1ओम से अधिक नहीं।
 41. अर्थ इलैक्ट्रोड का सामान्य भूमि में प्रतिरोध - 3 ओम।
 42. चट्टानी भूमि में अर्थ इलैक्ट्रोड का प्रतिरोध - 8 ओम।
 43. भवन से अर्थिंग की दूरी कोने से 1.5 मीटर ।
 44. विद्युत घरेलू वायरिंग व पावर वायरिंग अर्थिंग का प्रतिरोध - 1 ओम
 45. पावर स्टेशनों पर प्रतिरोध -0.5 ओम से 1 ओम।
 46. पृथ्वी का वैद्युतिक विभव - शून्य माना जाता है।
 47. शरीर में कितनी मिली एम्पियर से अधिक धारा का प्रवाह खतरनाक होता है। 50mA
 48. प्लेट अर्थिंग में 8 swg का जी आई तार उपयोगित होता है।
 49. भू संपर्कन तार का रंग - हरा ।
 50. Kwh मीटर इन्टीग्रेटिंग (समाकलन) प्रकार का मीटर है।
 51. बालकमानियाँ - फॉस्फोरस ब्रॉज की बनी होती है।
 52. एम सी मीटर- डी सी राशियों का मापन।